

Size : 273 x 267 mm

मेलसा ५.१ ई.सी.

पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी.

(चयनात्मक खरपतवारनाशक)

पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी. खरपतवार उगने के बाद इस्तेमाल होनेवाला एक चुनिंदा खरपतवारनाशक है जो गेहूँ की फसल में आनेवाले घास जाति के खरपतवारों जैसे गुल्ली डंडा या मँडूसी और जंगली जई के नियंत्रण के लिए सिफारिश किया गया है। इसमें ५.१% पिनोक्सॉडेन सक्रिय तत्व के रूप में मौजूद है और यह एक लिटर पदार्थ में ५० ग्रा. के बराबर होता है।

रासायनिक संरचना :	मात्रा (भार/भार)
पिनोक्सॉडेन स.त.	५.१०%
सेफेनर : क्लोक्विनटोसेट मेक्सॉईल	१.२६%
इमलसिफायर तत्व:	
कॉस्टर आइल इथोक्सिलेट - ३०	५.०५%
डोडिसाईल बेनझीन सलफोनेट का कैल्शियम लवण	२.०२%
थिकनर: पालीस्टाईरिन	०.५१%
सहायक : ट्रेस (२-इथाईल हेक्सॉईल) फॉस्फेट	३४.३०%
साल्वेन्ट : (टेट्राहाईड्रो-फूरान-२आईल) - मिथनोल	१८.२०%
सोल्वेंसो २०० एनडी	पर्याप्त मात्रा
कुल	१००.००%

इस्तेमाल का तरीका और सिफारिश: नीचे दिये गये सिफारिशों के अनुसार पिनोक्सॉडेन ५.१% ई. सी. का इस्तेमाल गेहूँ में बीज रोपण के बाद आने वाले घास जाति के खरपतवार जैसे गुल्ली डंडा या मँडूसी और जंगली जई के नियंत्रण करता है।

फसल	खरपतवार का सामान्य नाम	मात्रा प्रति हेक्टेयर			अंतिम छिड़काव और फसल की कटाई के बीच अंतराल (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्रा)	संरचना (मि. ली)	पानी की मात्रा (लीटर)	
गेहूँ	गुल्ली डंडा या मँडूसी जंगली जई	४० - ४५	८०० - ९००	२२५ - ३००	९०

इस्तेमाल के लिए सिफारिश : खरपतवारनाशक का इस्तेमाल बीज रोपण के ३०-३५ दिन के बाद, जब ज्यादातर खरपतवार उग आये हों या जब गुल्ली डंडा और जंगली जई ३-५ पत्तों की अवस्था में हों, तब इसे सिफारिश की गयी मात्रा में प्रयोग करें।

प्रयोग के लिए निर्देश: इस खरपतवारनाशक का प्रयोग फ्लैट फेन या डिफ्लेक्टर ०८ स्फेद नोजल लगा हुए नैपसेक स्प्रेयर से छिड़काव करें। छिड़काव करते समय नोजल के जमीन से ऊँचाई ०.३५ मी. होनी चाहिये, जिससे अधिक कोण का छिड़काव बनता है और एक समान स्प्रे होता है। खरपतवारनाशक को सिफारिश के अनुसार पानी में मिलाकर अच्छी तरह से छिड़काव कीजिए।

भण्डारण:

- खरपतवारनाशक के डिब्बों को अन्य सामग्री विशेषकर खाद्य पदार्थों के संग्रहण कक्ष या स्थान से दूर किया जाना चाहिए, अथवा कीटनाशक की मात्रा तथा स्वभाव पर निर्भर करते हुए, डिब्बों को अलग अलमारी में ताला-चाबी लगा कर रखें।
- खरपतवारनाशक का संग्रहण कक्ष या स्थान रोशनीदार, मजबूत बनावट का, हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई चौड़ाई का होना चाहिये, जिससे बाष्प द्वारा प्रदूषण न हो।

खाली डिब्बों का निपटारा:

- पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए खाली डिब्बें, बचा हुआ घोल, मशीनों की धोवन और डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें।
- खाली डिब्बों का पुनः प्रयोग रोकने के लिए, उन्हें बाहर न छोड़ें।
- डिब्बों को तोड़-मोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिए।

सावधानी: स्प्रे तैयार करने के लिए खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल मत कीजिए। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का प्रयोग करें। त्वचा, आँख और मुँह को खरपतवारनाशी के संपर्क से बचाये तथा श्वास द्वारा अंदर जाने से रोके। सुरक्षात्मक कपड़े जैसे कि ऐपन, दस्तानों, नकाब और गम बूट आदी पहन कर ही इसका प्रयोग करें। खरपतवारनाशक का प्रयोग करते समय, खाना, पीना और धूम्रपान करना नहीं चाहिए। प्रति दिन प्रयोग के बाद, कीटनाशी से प्रभावित हिस्सों को अच्छी तरह धो लें और कपड़े बदल लें। दूषित कपड़ों को अच्छी तरह धो लें।

लगातार एक ही खरपतवारनाशक के इस्तेमाल होने से खरपतवारों के प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि होने की संभावना है। इस वृद्धि को काबु में लाने के लिए कई अन्य खेती योग्य उपाय योजनाओं के इस्तेमाल की सिफारिश की जा सकती है। खास सिफारिशों के लिए हमारे प्रतिनिधी की सहायता लें।

विषकतता के लक्षण: अब तक कोई भी विष की घटना नहीं हुई है। प्रयोगशाला के परीक्षणों में चूहों पर विष का कोई निश्चित लक्षण नहीं है, लेकिन शरीर में ढीलापन, बाल खड़े होना, झुककर बैठना, लार बहना और आँसू आना जैसे लक्षण दिखाई दिये।

प्राथमिक उपचार: प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से हवादार कमरे या खुली हवा में ले जाए और तापमान से बचाएँ। **त्वचा में लगने पर :** प्रदूषित कपड़ों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। **आँखों में चले जाने पर :** आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाइए। **निगल जाने पर :** पानी में मैडिसिनल चारकोल की काफी मात्रा घोलकर बार बार दें और तुर्न्त डॉक्टर को बुलाइयें। **सूचना:** यदि मरीज बेहोश हो तो, मुँह से कुछ न दें। उल्टी कराने की कोशिश न करें।

विष प्रतिहार दवा: कोई खास विष प्रतिहार नहीं है, लक्षण के अनुसार चिकित्सा करें।

निर्माता: सिन्जेन्टा इंडिया लिमिटेड,

अमर पॅराडीम, एस नं. ११०/११/३, बानेर रोड, पुणे - ४११ ०४५.

फैक्टरी पता:

ग्राम : निम्बुआ, तहसील: डेरा बासी, जिला : एस.ए.एस. नगर (मोहाली), पंजाब-१४०२०१

विपणन : पी आई इण्डस्ट्रीज लि., उदयसागर रोड, उदयपुर, राजस्थान-३१३ ००१.

MELSA 5.1 EC

PINOXADEN 5.1% EC

(Selective Herbicide)

Pinoxaden 5.1% EC is a selective post-emergence herbicide that is recommended for the control of important grass weeds like Phalaris minor and Avena ludoviciana in wheat. It contains 5.1% of the active ingredient pinoxaden which is equal to 50 g per Litre of the formulation.

Chemical Composition :	Contents (w/w)
Pinoxaden a.i	5.10%
Safener : cloquintocet mexyl	1.26%
Emulsifying agents:	
castor oil ethoxylate-30	5.05%
dodecyl benzene sulphonic acid, ca salt	2.02%
Thickener : Polystyrene	0.51%
Adjuvant: tris(2-ethylhexyl) phosphate	34.30%
Solvents:	
(tetrahydro-furan-2yl)-methanol	18.20%
Solvesso 200 ND	QS
Total	100.00%

Application & Recommendation for use: When used as per the recommendations given below, Pinoxaden 5.1% EC provides the post-emergence control of grasses particularly *Phalaris minor* and *Avena ludoviciana* in wheat.

Crop	Scientific name of the weed	Dosage per ha			Waiting period from last application to harvest (in days)
		a.i. (g)	Formulation (ml)	Dilution in water (L)	
Wheat	Canary grass, <i>Phalaris minor</i> , Wild oat, <i>Avena ludoviciana</i>	40-45	800 - 900	225-300	90

Recommendations for use: Apply as post emergence spray at 30-35 days after wheat sowing or when *Phalaris minor* and *Avena ludoviciana* is of 3-5 leaf stage.

Mode of uptake: Pinoxaden is rapidly absorbed by weed foliage and translocated to the growing points of leaves and stems. Susceptible weed species generally stop growing within 48 hours of treatment, turn yellow within one to three weeks and are completely controlled within three to five weeks.

Method of application: The herbicide is recommended to be applied using a knapsack sprayer fitted with a flat fan or a deflector nozzle 08 White (DFN 08), maintaining a constant nozzle height of 0.35 m which results in a wide angle fan spray with a narrow rectangular spray pattern. Apply the herbicide with the recommended quantity of water to ensure thorough coverage of the weed foliage.

Re-cropping flexibility: This is quickly degraded in the soil and has little or no soil activity. There are no restrictions on succeeding crops.

Storage:

- The packages containing the herbicides should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almira's under lock and key.
- The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapor.

Precautions: Do not use cooking utensils for preparing the spray solution. Use stick for stirring the spray solution. Avoid contact with skin, eyes and clothing. Avoid inhalation of fog and vapors. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Wear protective clothing, mask, goggles, and boots, while handling the product. Do not eat, drink or smoke while applying the product. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Avoid contamination of air and water bodies with the herbicide. Also wash the contaminated clothes.

The repeated use of any herbicide or herbicide with the same mode of action could lead to selection of resistant weeds. Certain agronomic practices may reduce the likelihood that resistant weeds will arise. In fields where resistant weeds are suspected, integrate strategies that are available to manage such population. For specific recommendations, please contact our local representative.

Disposal of empty containers:

- Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental and water pollution.
- The used packages shall not be left outside to prevent their reuse.
- Packages shall be broken and buried away from habitation.

Symptoms of Poisoning: No case of human poisoning is on record. In laboratory studies, poisoning symptoms in rodents were non-specific: decreased activity, piloerection, hunched posture, salivation and lachrymation.

First Aid: Remove the affected person to a well-ventilated area or fresh air and protect him from undercooling. IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minutes. IN CASE OF INGESTION: Repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water. Get the attention of the medical doctor immediately. NOTE: Do not induce vomiting or never give anything by mouth to an unconscious person.

Antidote: No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Manufactured by : Syngenta India Ltd.,

Amar Paradigm, S. No. 110/ 11/ 3, Baner Road, Pune - 411 045.

Factory address :

Village: Nimbua, Tehsil: Dera bassi, Distt.: S.A.S. Nagar (Mohali), Punjab-140201.

Marketed by : PI Industries Ltd., Udaigar Road, Udaipur, Rajasthan-313 001.

Melsa

PINOXADEN 5.1% EC (SELECTIVE HERBICIDE)



MELSA

(PINOXADEN 5.1% EC)
(SELECTIVE HERBICIDE)



Manufactured by :

Syngenta India Limited,

Amar Paradigm, S. No. 110/ 11/ 3,
Baner Road, Pune - 411 045.

Factory address:

Village Nimbua, Tehsil Dera bassi,
District SAS Nagar (Mohali),
Punjab-140 201.

Marketed by :

PI Industries Ltd.,

Udaigar Road, Udaipur,
Rajasthan-313 001.



For any complaints, please contact our Customer Service Executive.
PI Industries Ltd,
Udaigar Road, Udaipur, Rajasthan-313 001.
Toll Free : 1800 208 1008, Email: customer@piind.com

